शांत रहें! घबराऐं नहीं! रोगी को आश्वस्त करें!

क्या करें!

- काटे गये हाथ या पैर को स्थिर रखें और शांत रहें। इससे यह सुनिश्चित होगा कि रक्तचाप सामान्य रहे और विष जल्दी से शरीर में ना फैले।
- तुरंत घड़ी / आभूषण आदि निकालें क्योंकि काटे हुए स्थान पर सूजन शुरू हो सकती है।
- पीड़ित को इस तरह बैठाऐं/ लेटाऐं कि काटे गये स्थान का स्तर दिल के स्तर के बराबर या उससे नीचे हो।
- प्रभावित क्षेत्र की गतिविधी को कम करने के लिए एक पट्टी लागू करें। एक दबाव (क्रेप) पट्टी या किसी खिंचावदार कपडे व्दारा एक छडी या तख्ते को प्रभावित क्षेत्र पर, बिना कसे हुऐ बाँधकर, उसे स्थिर कर दें।

क्या न करें!

- घाव में कटौती या विष को दूर करने का प्रयास न करें। बस एक साफ, सूखे ड्रेसिंग के साथ घाव को ढक दें।
- एक बंधन का उपयोग न करें या काटे हुऐ स्थान में बर्फ लागू न करें।
- कैफीन या अल्कोहल का सेवन न करें।
- सांप को पकड़ने की कोशिश न करें। यदि आप अपने मोबाइल फोन का उपयोग कर एक दूरी से एक साफ तस्वीर क्लिक करने की कोशिश कर सकते हैं, तो यह सांप की पहचान करने और यह पता लगाने में मददगार होगा कि वह एक विषैला या गैर विषैला सांप था।

एक विषैले सर्पदंश का उपचार, रोगी के शरीर में विष फैलने के लक्षण दिखने के बाद ही शुरू करना चाहिए । लक्षण जैसे, काटने के घाव से लगातार खून बहना, पलकों में शिथिलता (वर्त्मपात), सांस लेने में दिक्कत, काटने के क्षेत्र में प्रगतिशील सूजन, आदि।

भारत में पाए जाने वाले केवल 20% सांप ही विषैले हैं और उनमें से अधिकांश मनुष्य की मृत्यु का कारण नहीं हैं। केवल विष-विरोधक ही सांप के जहर के लिए कारगर प्रतिकारक है। एक विषैले सांप के काटने के इलाज के लिए पारंपरिक या हर्बल चिकित्सा पद्धतियों के प्रयोग की कोशिश न करें।